Patrika (Indore), 26th July 2025, Patrika Plus, Page – I

बड़ी तैयारी : भारतीय शिक्षण मंडल नवंबर में करेगा सम्मेलन, आइआइटी, आइआइएम व एनआइटी के डायरेक्टर, शिक्षाविद होंगे शामिल

इंडस्ट्री की जरूरत अनुसार सिलेबस होगा डिजाइन

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

इंदौर. भारतीय शिक्षण मंडल देश के शैक्षणिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव लाने की तैयारी में है। अब विश्वविद्यालयों . और कॉलेजों में पढ़ाया जाने वाला सिलेबस सिर्फ डिग्री केंद्रित नहीं, बल्कि इंडस्ट्री-ओरिएंटेड होगा। इसके लिए शिक्षण मंडल इंडस्ट्री और शैक्षणिक संस्थानों को एक साझा मंच पर लाने की व्यापक योजना बना रहा है।

इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में नवंबर-2025 में एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन किया जाएगा, जिसमें देशभर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों जैसे आइआइटी, आइआइएम और एनआइटी के डायरेक्टर, शिक्षाविद, नीति निर्माता और विभिन्न उद्योगों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस सम्मेलन के जरिए उद्योगों की आवश्यकताओं और शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के बीच की खाई को कम करने का प्रयास किया जाएगा।

शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई होगी कम

भारतीय शिक्षण मंडल का मानना है कि वर्तमान में शिक्षा और उद्योग के बीच बड़ा अंतर है। विश्वविद्यालयों में सिखाया जाने वाला सिलेबस प्राय: पारंपरिक ढर्रे पर आधारित होता है, जबकि इंडस्ट्री की जरूरतें तकनीकी, व्यवहारिक और नवाचार आधारित होती हैं। इस अंतर के कारण विद्यार्थियों को डिग्री तो मिल जाती है, लेकिन वे रोजगार के लिए आवश्यक कौशल से वंचित रह जाते हैं।

फायदा : पढ़ाई पूरी करते ही इंडस्ट्री रेडी हो जाएंगे विद्यार्थी

इस पहल का उद्देश्य सिलेबस को इंडस्ट्री की मांगों के अनुसार फिर से संरचित किया जाए। विद्यार्थियों को केवल थ्योरी ही नहीं, बल्कि प्रैक्टिकल एक्सपोजर, इंटर्नशिप और रियल-टाइम प्रोजेक्ट्स से जोड़ा जाए। इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा विद्यार्थियों को होगा। एक बार सिलेबस उद्योग की जरूरतों के अनुसार तैयार होने लगेगा, तो विद्यार्थी पढ़ाई पूरी करते ही इंडस्ट्री रेडी हो जाएंगे।

अगस्त में बैठक, बनेगी कार्यक्रम की रूपरेखा

नई पहल से रोजगार की समस्या काफी हद तक कम हो सकेगी। कंपनियों को भी स्किल्ड मैनपावर आसानी से मिलेगा, जिससे ट्रेनिंग का खर्च भी घटेगा। हालांकि, यह कार्यक्रम नवंबर में होगा, जिसके लिए शैक्षणिक संस्थानों के पदाधिकारियों के साथ बैठक अगस्त में होना प्रस्तावित है, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

आइआइटी इंदौर के यूजी पाठ्यक्रमों में 502 विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

आज से शुरू होगा ओरिएंटेशन प्रोग्राम 'जेनेसिस'

इंदौर. आइआइटी इंदौर ने इस साल यूजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर संस्थान ने 502 नए विद्यार्थियों का स्वागत किया, जिसमें नए शुरू किए गए बैचलर ऑफ डिजाइन (बीडेस) कोर्स के 16 विद्यार्थी भी शामिल हैं। मुख्य अतिथि मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई), महू के उप कमांडेंट व मुख्य प्रशिक्षक मेजर जनरल गौतम महाजन रहे।

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, आप सभी में खास हुनर हैं। चार सालों में हम चाहते हैं कि आप उसे पहचानें और निखारें। संस्थान केवल पढ़ाई पर ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास, जैसे रचनात्मकता, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी पर भी जोर देता है। बीडेस प्रोग्राम पर प्रो. जोशी ने कहा, यह कोर्स विद्यार्थियों में डिजाइन सोच और इंटरडिसिप्लिनरी शिक्षा को बढ़ावा देगा। इससे विद्यार्थी भविष्य की इंडस्ट्री और समाज की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

आठ दिन का होगा ओरिएंटेशन प्रोग्राम

आइआइटी इंदौर 26 जुलाई से 'जेनेसिस' नाम का एक आठ दिन का ओरिएंटेशन प्रोग्राम शुरू करेगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थान, कैंपस लाइफ और मदद देने वाली व्यवस्थाओं से परिचित कराना है। इसके तहत विद्यार्थियों को एमसीटीई महू का शैक्षणिक भ्रमण, जीवन कौशल और तकनीकी गतिविधियों का परिचय, शारीरिक प्रशिक्षण और जिमखाना क्लब ओरिएंटेशन, स्वास्थ्य, वित्तीय साक्षरता और विशेषज्ञों की वार्ताएं और सद्भाव व सामाजिक समावेशन पर कार्यशालाएं लगेंगी।